भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †67

सोमवार, 22 जुलाई, 2024/31 आषाढ़, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देना

†67. **डॉ. इन्द्रा हांग सुब्बा:**

श्री राजीव प्रताप रूडी:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार की देश में विशेषकर हिमालयी क्षेत्र में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) सिक्किम सहित देश में साहसिक पर्यटन हेतु विगत पांच वर्षों के दौरान आवंटित और आगामी तीन वर्षों में आंवटन हेतु प्रस्तावित निधि का राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या देश में साहसिक पर्यटन हेतु कोई नियामक निकाय है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय विभिन्न पहलों के माध्यम से भारत का समग्र रूप से संवर्धन करता है। अपने चालू कार्यकलापों के भाग के रूप में, पर्यटन मंत्रालय साहसिक पर्यटन सहित भारत के विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए नियमित रूप से अभियान चलाता है।

भारत को साहसिक पर्यटन के लिए पसंदीदा वैश्विक गंतव्य के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से पर्यटन मंत्रालय ने साहसिक पर्यटन हेतु राष्ट्रीय कार्यनीति तैयार की है।

पर्यटन मंत्रालय अपनी 'स्वदेश दर्शन' योजना के तहत देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास हेतु राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों आदि को केन्द्रीय वित्तीय सहायता प्रदान करता है और इस योजना के तहत परियोजनाओं को निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, योजना दिशा-निर्देशों के अनुपालन और पूर्व में जारी निधियों की उपयोग आदि के अध्याधीन राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्रों के परामर्श से स्वीकृति प्रदान करता है।

उत्तर-पूर्वी भारत परिपथ और हिमालयी परिपथ के लिए मंत्रालय द्वारा 'स्वदेश दर्शन' योजना के तहत दी गई निधियों का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

****

अनुबंध

डॉ. इन्द्रा हांग सुब्बा और श्री राजीव प्रताप रूडी द्वारा साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देना के संबंध में दिनांक 22.07.2024 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. †67 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में विवरण

स्वदेश दर्शन योजना के तहत उत्तर-पूर्वी भारत परिपथ थीम के लिए आवंटित निधियों का विवरण **(राशि करोड़ रु. में)**

क्र. सं.	राज्य का नाम	वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि	जारी की गई राशि
1.	अरुणाचल प्रदेश	2014-15	भालुकपोंग-बोमडिला और तवांग में परिपथ का विकास	49.77	47.28
2.	मणिपुर	2015-16	इम्फाल-खोंगजोम में परिपथ का विकास	72.23	61.32
3.	सिक्किम	2015-16	रंगपो (प्रवेश)- रोराथांग- अरितार- फादमचेन- नाथंग-शेराथांग- सोंगमो- गंगटोक-फोडोंग- मंगन- लाचुंग-युमथांग- लाचेन- थांगु-गुरुडोंगमेर- मंगन- गंगटोक- तुमिनलिंगी- सिंगतम (निकास) को जोड़ने वाले परिपथ का विकास	98.05	97.41
4.	मिजोरम	2015-16	थेनजोल और दक्षिणी ज़ोटे, जिला सेरछिप और रीक का विकास।	92.26	92.26
5.	अरुणाचल प्रदेश	2015-16	जीरीगांव, नफरा, सेप्पा, पप्पू, पासा, पक्के घाटियाँ, लुम्दुंग, लाफंगसोहुंग लेक, टारो यार, न्यू सागली, जीरो, योम्चा का विकास	96.72	91.88
6.	त्रिपुरा	2015-16	उत्तर-पूर्वी परिपथ का विकास: अगरतला-सिपाहीजला-मेलघर - उदयपुर-अमरपुर-तीर्थमुख- मंदिरघाट-डंबूर-नारिकेलकुंज-गंडाचरा-अंबासा	82.85	77.76
7.	मेघालय	2016-17	यूमियम (लेक व्यू), यू लम सोहपेटबनेंग - मवडियांगडियांग - ऑर्चिड लेक रिजॉर्ट का विकास।	99.13	99.11
8.	सिक्किम	2016-17	सिंगटम- माका - टेमी - बरमोइक टोकेल-फोंगिया- नामची-जोरथांग - ओखरे - सोम्बारिया-दारमदीन-जोरथांग-मेली (निकास) को जोड़ने वाले पर्यटक परिपथ का विकास	95.32	95.32
9.	त्रिपुरा	2018-19	सुरमा चेर्रा - उनाकोटी - जंपुई हिल्स - गुनाबाती - भुनानेश्वरी-माताबारी - नीरमहल - बोक्सानगर - चोट्टाखोला - पिलक - अवांगचारा का विकास	44.83	35.25

10.	मेघालय	2018-19	पश्चिमी खासी हिल्स (नोंगखलाव - क्रेम टिरोट - खुडोई एवं खोमांग फॉल्स - ख्री नदी - मवथाद्रैशन, शिलांग), जयंतिया हिल्स (क्रांग सुरी फॉल्स - शिरमांग - लूकसी), गारो हिल्स (नोक्रेक रिजर्व, कट्टाबील, सिजू गुफाएं) का विकास	84.97	84.96
				कुल	**816.13**	**782.55**

स्वेदश दर्शन योजना के तहत हिमालयी परिपथ के लिए आवंटित निधियों का विवरण

(राशि करोड़ रु. में)

क्र.सं.	**राज्य का नाम**	**वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**	**जारी की गई राशि**
1.	जम्मू और कश्मीर	2016-17	पर्यटन अवसंरचना परियोजनाओं का विकास-भगवती नगर	77.33	67.37
2.	जम्मू और कश्मीर	2016-17	जम्मू-राजौरी-शोपियां-पुलवामा में पर्यटक सुविधाओं का विकास।	81.60	67.35
3.	जम्मू और कश्मीर	2016-17	जम्मू और कश्मीर के लिए पीएम विकास पैकेज के तहत 2014 में बाढ़ में नष्ट हुई परिसंपत्तियों के बदले निर्माण के अंतर्गत पर्यटक सुविधाओं का विकास	90.43	74.70
4.	जम्मू और कश्मीर	2016-17	मंतलाई और सुद्महादेव में पर्यटक सुविधाओं का विकास	91.99	91.92
5.	जम्मू और कश्मीर	2016-17	अनंतनाग- किश्तवर-पहलगाम- दक्सुम-रंजीत सागर बांध में पर्यटक सुविधाओं का विकास	86.39	69.95
6.	जम्मू और कश्मीर	2016-17	गुलमर्ग-बारामूला-कुपवाड़ा- लेह में पर्यटक सुविधाओं का विकास	91.84	82.16
7.	हिमाचल प्रदेश	2016-17	कियारीघाट, शिमला, हटकोटी, मनाली, कांगड़ा, धर्मशाला, बीर, पालमपुर, चंबा में हिमालयी परिपथ का विकास	68.34	64.54
				कुल	**587.92**	**517.99**

****